KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

BY – BALVEER SIR

सैनिक कारण :-

भारतीय सैनिको व अंग्रेज सैनिको के वेतन में अन्तर था।

- वेतन कम
- वेतन अधिक

भारतीय व अंग्रेजी सैनिको का अनुपात

5 : 1

- अंग्रेज सैनिक
- भारतीय सैनिक

BALVEERSIR

कैनिंग द्वारा :- 1856 सैन्य भर्ती अधिनियम

1854 ⇒ डाकघर अधिनियम

BALVEERSIR

तात्कालिक कारण :- गाय व सुअर की चर्बी वाले कारतूस

पहले बन्दूक :- ब्राउन बेस

नई बन्दूक :- एनफील्ड राइफल्स - कारतूस

गाय व सुअर की चर्बी लगी थी

मुख्य कारखाना

वूलविच कारखाना (लंदन)

BALVEERSIR

भारत में एनफील्ड राइफल्स के कारखाने :-

① अंबाला
② दमदम
③ स्यालकोट

कारतुस पर गाय व सुअर की चर्बी की जाँच हेतु

विसेन्ट स्मिथ की अध्यक्षता में जाँच आयोग गठित किया गया।

रिपोर्ट पेश की :- जाँच में सही पाया

स्वीकार

BALVEERSIR

1857 की क्रांति का स्वरूप

* 1857 की क्रांति की योजना बनायी :-

① अजी मुल्ला (नाना साहेब का सलाहकार)

② रंगाजी बापू (सतारा के अपदस्थ शासक के सलाहकार)

* 1857 की क्रांति की योजना को क्रियान्वयन किया :-

→ ① नाना साहेब

1857 की क्रांति के प्रतीक चिन्ह

- रोटी / चपाती
  - सामान्य लोगो का द्वारा उपयोग
- कमल का फुल
  - जमीदारो द्वारा उपयोग

1857 की क्रांति का आरम्भ :-

बैरकपुर छावनी :- 34वी नेटिव इन्फेंट्री सैनिक टुकड़ी

→ पैदल

↓ मंगल पाण्डे

← बलिया (U.P.)

BALVEERSIR

29 मार्च 1857 :- मंगल पाण्डे ने एनफील्ड राइफल्स का उपयोग करने से मना कर दिया।

① लेफ्टिनेंट बाग
② सार्जेंट मेजर ह्यूसन

} मंगल पाण्डे ने हत्या कर दी

8 Apr. 1857 ⟹ मंगल पाण्डे को सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी

साथ में ईश्वर पाण्डे

मेरठ :-

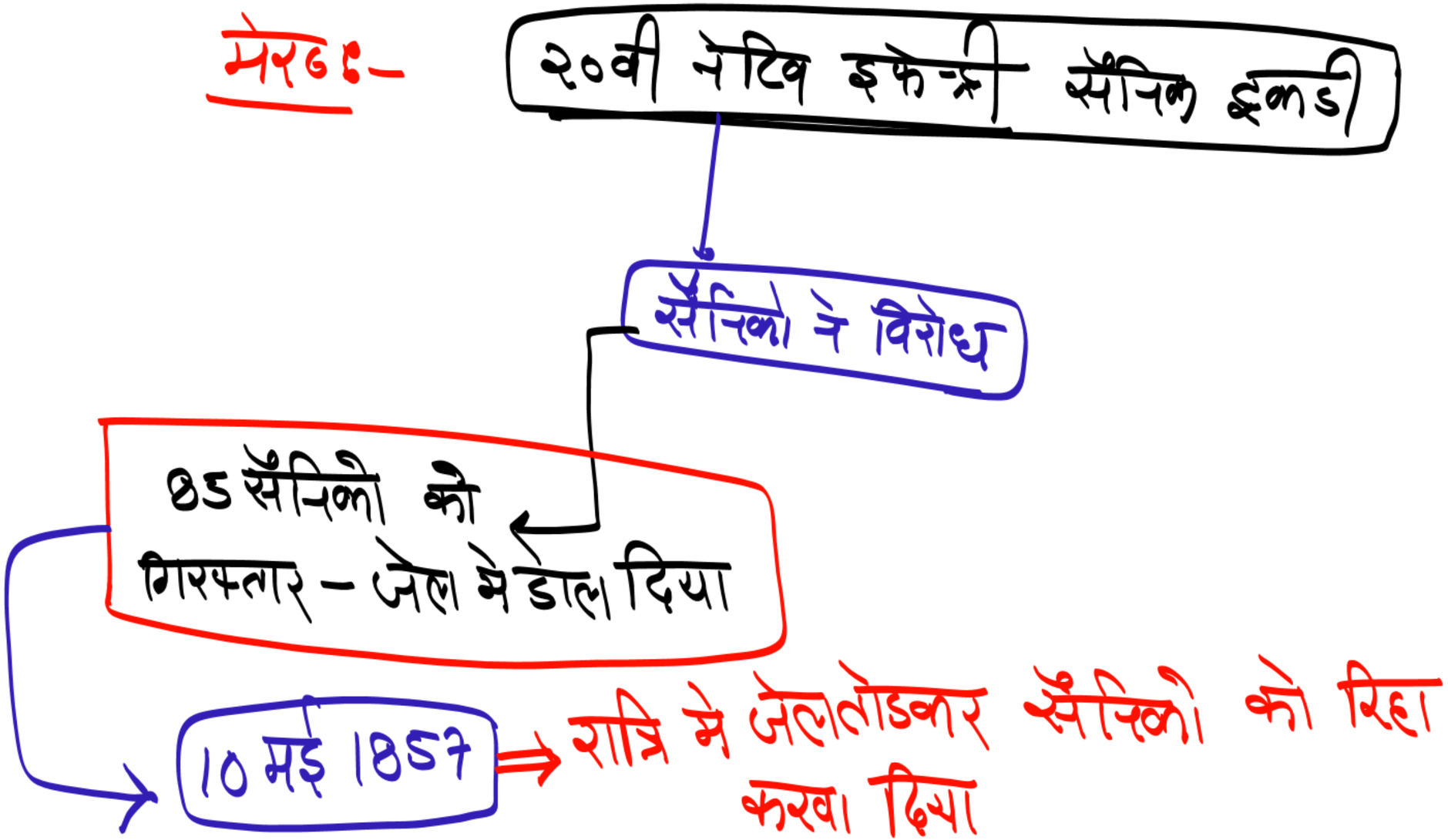

२०वी नेटिव इन्फेन्ट्री सैनिक इकाई

↓

सैनिको ने विरोध

↓

८५ सैनिको को गिरफ्तार – जेल मे डाल दिया

↓

10 मई 1857 ⇒ रात्रि मे जेल तोड़कर सैनिको को रिहा करवा दिया

दिल्ली :- 11 मई 1857 को सुबह जल्दी ही मेरठ के सैनिक दिल्ली पहुँच गए।

बहादुर शाह II 'जफर'

सुबह 'फजर' की नमाज पढ़ रहे थे

विद्रोही सैनिकों ने बहादुरशाह की इच्छा के विरुद्ध बहादुरशाह को अपना नेता चुन लिया।

BALVEERSIR

बहादुरशाह जफर :- प्रतीकात्मक नेता
(नाममात्र का नेता।)

सेनापति :- बख्त खाँ ⟸ (वास्तविक नेता)

अंग्रेज अधिकारी :- निकलसन, हडसन

मृत्यु

20 Sep. 1857 :- हडसन :- बहादुरशाह को हुमायु के मकबरे से परिवार सहित गिरफ्तार कर लेता है।

सूचना देने वाला

इलाही बख्त

बहादुरशाह के साथ विश्वासघात

रंगुन जेल भेज दिया

बहादुरशाह की मृत्यु - 7 नव. 1862

रंगुन ← मकबरा

BALVEERSIR

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING